Seat No.	

Total No. of Pages : 3

B.A. (Part - II) (Semester - IV) Examination, April - 2018
हिंदी (HINDI) (Optional) (Paper - VI)
आधुनिक काव्य
Sub. Code : 62348

Kamala College Kolhapur, Krantiveer Rangnodada Patil Library
LIBRARY

पाठ्यपुस्तके : 1) सैरंध्री
2) तुलसीदास

Day and Date : Tuesday, 24 - 04 - 2018
Time : 12.00 noon to 02.00 p.m.

Total Marks : 50

सूचनाएँ : 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) दाईं ओर लिखे अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं।

प्र.1) निम्नलिखित विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए। [5]

i) सैरंध्री .... का नाम था।

(द्रौपदी / सीता / सुभद्रा / सुदेष्णा)

ii) सैरंध्री के सौंदर्य पर .... मोहित हुआ था।

(विराट / कीचक / भीम / दुर्योधन)

iii) भीम अज्ञातवास में .... का काम करता था।

(रसोइया / चित्रकार / कंक / सेनापती)

iv) तुलसीदास .... में रहते थे।

(काशी / चित्रकूट / राजापुर / पीहर)

v) 'तुलसीदास' शीर्षक लम्बी कविता के कवि .... हैं।

(निराला / प्रसाद / पंत / बच्चन)

P.T.O.

प्र.2) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए । [15]

Kamala College Kolhapur, Krantiveer Rangoadada Patil Library ★ LIBRARY

अ) "मेरे पति हैं पाँच देव अज्ञात निवासी,
तन–मन–धन से सदा उन्हीं की हूँ मैं दासी ।
बडे भाग्य से मिले मुझे ऐसे स्वामी हैं
धर्म–रूप वे सदा धर्म के अनुगामी हैं ।"

ब) "बुरे काम का कभी भला, परिणाम न होगा,
पापी जन के लिए कहीं विश्राम न होगा ।
अविचारी का काल भाल पर ही फिरता है,
कहीं संभलता नहीं शील से जो गिरता है ।"

क) "सैरंध्री, किस भाग्यशाली की भार्या है तू
है तो दासी किंतु गुणों से आर्या है तू ।
मारा है स्मर ने शर मुझे तेरे इस भ्रू–चाप से ।
अब कब तक तड़पूँगा भला विरह–जन्य सन्ताप से!"

ड) "पर नारी पर दृष्टि डालना योग्य नहीं हैं,
और किसी का भाग्य किसी को भोग्य नहीं है ।
तुमको ऐसा उचित नहीं, यह निश्चय जानो,
निन्द्य कर्म से डरो धर्म का भी भय मानो ।"

इ) "सुन्दरियों का क्या अभाव है तुम्हें, बताओ,
जो तुम होकर शूर उसे इस भाँति सताओ ।
जीत सके मन भी न वीर तुम कैसे फिर हो?
कहलाते हो धीर और इतने अस्थिर हो !"

Kamala College Kolhapur, Krantiveer Rangraodada Patil Library
LIBRARY

प्र.3) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए । [15]

अ) 'तुलसीदास' के गाँव राजापुर का वर्णन कीजिए ।

ब) 'तुलसीदास' की चित्रकुट यात्रा का वर्णन कीजिए ।

क) रत्नावली के उपदेश से तुलसीदास का मन परिवर्तन कैसे हुआ?

ड) 'तुलसीदास' कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

इ) 'रत्नावली' का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

प्र.4) 'सैरंध्री' खण्डकाव्य के आधार पर सैरंध्री का चरित्र–चित्रण कीजिए । [15]

अथवा

'तुलसीदास' लम्बी कविता की कथावस्तु लिखिए ।

▽▽▽▽